A–587

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BAJY–101

ब्रह्माण्ड एवं काल

कला में स्नातक (ज्योतिष) बी.ए.

प्रथम वर्ष, सत्र 2024 (June)

समय : 2:00 घंटा पूर्णांक : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. आधुनिक एवं प्राचीन मतानुसार कक्षा क्रम एवं सौरपरिवार का विस्तृत विवेचन कीजिए।

2. अयन, गोल एवं वर्ष का विस्तृत विवेचन कीजिए।

3. चर एवं स्थिर करण का नामोल्लेखपूर्वक इनके सैद्धान्तिक स्वरूपों का वर्णन कीजिए।

4. अक्षांश, रेखांश एवं देशान्तर को परिभाषित करते हुये देशान्तर संस्कार का निरूपण कीजिए।

5. त्रुट्यादि अमूर्त्त काल को बताते हुए योग के सैद्धान्तिक स्वरूपों का विस्तृत विवेचन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ग्रह एवं उपग्रहों में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

2. क्षुद्र एवं वामन ग्रहों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

3. प्राणादि मूर्त्तकाल का परिचय दीजिए।

4. मनुमान एवं कल्पमान का निरुपण कीजिए।

5. तिथि के सैद्धान्तिक स्वरूपों का प्रतिपादन कीजिए।

6. नक्षत्रों के सैद्धान्तिक स्वरूपों का विवेचन कीजिए।

7. मध्यमान्तर, वेलान्तर एवं स्पष्टान्तर का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

8. लोकल समय ज्ञान विधि का निरूपण कीजिए।

****